कर्मयोग को प्राथमिकता देने की आवश्यकता–दादी जानकी

जीवन में सुख-शांति के लिए जरूरी है राजयोग-पूनम ढिल्लन

आबू रोड, 16 मार्च निसं। धर्म और कर्म को अलग-अलग करने से मनुष्य के सामने अनेक विसंगतियां उत्पन्न होती है। यदि हमें कार्यक्षेत्र में सफल होना है तो कर्मयोग की विधि सर्वोपरि है। इससे जीवन में सहज ही उत्कृष्टता आती है। उक्त उदगार ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुज्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने व्यक्त किये। वे शांतिवन में एक कार्यक्रम में भाग लेने आये सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री पूनम ढिल्लन तथा लासर्न एण्ड टर्बो के चेयरमैन अनिल नायक से मुलाकात के दौरान कही।

आगे दादीजी ने जीवन के सभी पहलुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि हमे अपने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में कर्म के साथ आध्यात्मिक प्रज्ञा को शक्ति का समावेश करना चाहिए। इससे हमारे जीवन के सज़्बन्धों में एकता, समरसता तथा सहज जीवन जीने की शक्ति मिलती है। हमारा जीवन दूसरों के लिए प्रेरणादायी बने यही हमारी सोच हमेशा होनी चाहिए। अपने स्वार्थ के लिए किये गये कर्म से कभी भी संतोष की प्राप्ति नहीं होती है। इसिलए हमें परोपकार की स्थिति को सामने रखते हुए अपने कर्म करना चाहिए।

लगभग सौ फिल्मों में अपनी अभिनय का जलवा विखेर चुकी फिल्म अभिनेत्री पूनम ढिल्लन ने कहा कि मनुष्य को हमेशा एक सच्ची सुख शांति की तलाश होती है। जिसको पाने के लिए वह हर प्रयत्न करता रहता है। यही नहीं उसके लिए वह हम सज़्भव प्रयास करता है। उसके भेंट में उसे केवल असंतोष और दुख ही प्राप्त होता है। इसलिए ईश्वर का सान्निध्य जीवन में अति आवश्यक है जिससे वह अन्दर से भरपूर और सहज सरल जीवन का अनुभव कर सके। संस्था की अतिरिक्त मुज्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जी ने कहा कि खुशी जीवन का अमूल्य उपहार है। इससे कभी भी खोना नहीं चाहिए। जीवन के हर एक पहलुओं का निरीक्षण करते हुए उसमें छिपी कमिंयों को भरने का प्रयास करना चाहिए।

लासर्न एवं टर्बो के चेयरमैन अनिल नायक ने कहा कि सबसे पहले हमें मानवीय मूल्यों की मंदी को समाप्त करने का पहल करना चाहिए। जब मनुष्य के अन्दर से मूल्यों की मंदी समाप्त होगी तभी हम बाहर की आर्थिक मंदी से भी जूझ पायेंगे। ब्रह्माकुमारीज संस्था जिस तरह से मनुष्यों को बदलने का सुन्दर प्रयास कार्य कर रही है वे काबिले तारीफ है। यहाँ का प्रोडक्ट पूरी दुनियां में फैले हमारी शुभकामनायें है। यदि आने वाले वक्त को अच्छा बनाना है तो जीवन में आत्मा के मूल्यों को शामिल करना जरूरी है। उन्होंने पूरे लासर्न तथा टर्बो ग्रुप के कर्मचारियों तथा अधिकारियों को राजयोग से प्रशिक्षित करने की बात कही।

इस अवसर पर वे संस्था की संयुक्त मुज्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, संस्था के महासचिव ब्र0 कु0 निर्वेर, ब्र0 कु0 बृजमोहन, मीडिया प्रवक्ता ब्र0 कु0 करूणा, ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र0 कु0 मोहिनी, ब्र0 कु0 मोहिनी तथा शांतिवन प्रबन्धक ब्र0 कु0 भूपाल से मुलाकात की। सोमवार की रात्रि आयोजित कार्यक्रम में भी शिरकत की जिसमें देश विदेश के हजारों लोग सज़्मिलित हुए।

शांतिवन को देख अभिभूत हुई ढिल्लन: देश व विदेश से आये लगभग बीस हजार लोगों के रहने-खाने की व्यवस्था को देखकर अभिभूत हो उठी। उन्होंने शांतिवन के सोलार सिस्टम कार्यप्रणाली को देखकर कहा कि यह दुनियां का सर्वोंच्च प्रबन्धन है। जहाँ सब कुछ अपने आप चलता है। आज पूरे विश्व में ऐसे व्यवस्थाओं को अपनाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही उन्होंने अपने जीवन में भी राजयोग को सामिल करने की भी बात कही।

शांतिवन के अवलोकन के बाद वे नीजी विमान से 1 बजकर तीस मिनट पर मानपुर हवाई पटटी से मुज़्ब़ई के लिए रवाना हो गयी।

फोटो, 1, 2, 3, 4, 5 दादीजानकी से मुलाकात करती अभिनेत्री पूनम ढिल्लन तथा एलएनटी के चेअरमैन अनिल नायक, दादीजी से ईश्वरीय उपहार ग्रहण करते हुए। अतिरिक्त मुज़्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी से मुलाकात करते हुए।